This question paper contains 8+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक ....

5087

E

B.Com.(बी.कॉम)/III

Paper XV—HINDI

प्रश्न-पत्र XV—हिंदी

(मानविकी वर्ग – वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

(हिंदी भाषा, साहित्य एवं साहित्येतिहास)

(प्रवेश वर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतलाके,
पाते हैं जग से प्रशस्ति अपना करतब दिखलाके।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींचकर ही रहते हैं इतिहासों में लीक। 6

अथवा

जय हो जग में जले जहाँ भी नमन पुनीत अनल को।
जिस नर में भी बसे हमारा नमन तेज को बल को।
किसी वृंत्त पर खिले विपिन में पर नमस्थ है फूल।
सुधी खोजते नहीं गुणों का आदि शक्ति का मूल।

(ख) 'स्वार्थ को इतनी छूट देना ठीक नहीं कि वह विवेक को ही खा जाए। अखबारों को तो आजाद रहना ही चाहिए। वे ही तो हमारे कामों का, हमारी बातों का, असली दर्पण होते हैं। मेरा तो उसूल है कि दर्पण

को धुँधला मत होने दो। हाँ, अपनी छवि देखने का साहस होना चाहिए आदमी में। बड़ी हिम्मत और बूता चाहिए उसके लिए। इससे जो कतराता है, वह दूसरे को नहीं, अपने को ही छलता है।

अथवा

तुम शिल्पी विशु के पुत्र हो, धर्मा! कोणार्क और किसी के स्पर्श से कैसे जग सकता था ? जैसे मरुस्थल में कहीं निर्झरिणी सहसा गायब हो जाने पर भी अन्यत्र बह निकलती है, वैसे ही मेरी भटकी हुई प्रतिभा तुम्हारे मन में विकस उठी धर्मा! सैंकड़ों हजारों बरसों तक कोणार्क के उन्नत शिखर को देखकर लोग कहेंगे कि यह विशु और उसके बेटे की कला की सर्वोत्कृष्ट कृति है। मेरे जैसा भाग्यशाली पिता आज उत्कल में और कौन है ? 6

2. 'रश्मिरथी' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए। 8

3. 'महाभोज' एक राजनीतिक उपन्यास है। विवेचन कीजिए।

अथवा

'सुकुल बाबू' के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का आकलन कीजिए। 8

4. 'कोणार्क' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'धर्मपद' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 8

5. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के आधार पर उत्तर दीजिए :

(क) श्रीकृष्ण के प्रति लेखक के मन में अधिक आकर्षण क्यों था ?

(ख) ब्राह्मण ने रायसाहब के प्रति किस प्रकार कृतज्ञता ज्ञापित की ?

(ग) बच्चनजी के परबाबा की किन्हीं **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) गणेश प्रसाद की प्रसिद्धि का क्या कारण था ?

अथवा

'अतीत के चलचित्र' के आधार पर उत्तर दीजिए :

(क) पत्नी के प्रति रामा का कौनसा आचरण माँ को अनुचित लगा ?

(ख) गुँगिया का बेटा उसे छोड़कर क्यों चला गया ?

(ग) बिन्दा से लेखिका का क्या संबंध था ?

(घ) लछमा के जीवन का सबसे बड़ा दुःख क्या था ? 8

6. (क) कृष्ण भक्ति धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

अथवा

छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(*i*) सूरदास

(*ii*) जयशंकर प्रसाद

(*iii*) रामचरितमानस

(*iv*) प्रियप्रवास।

7. (क) किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : 4

(*i*) सब दिन होत न एक समान।

(*ii*) नर हो न निराश करो मन को।

(*iii*) जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान।

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

राष्ट्रभाषा से यह अभिप्राय है कि वह अन्तरप्रान्तीय व्यापार और सार्वजनिक व्यवहार में सभी प्रान्तों में रहने वालों के द्वारा बरती जाए और बद्रीनाथ से रामेश्वरम् तक तथा अमृतसर से कटक तक सभी स्थानों में परस्पर बातचीत करने और विचार-विनिमय में काम में लायी जाए। राष्ट्रभाषा होने की अधिकाधिक योग्यता हिंदी में आनी और लानी चाहिए। आज के युग में जब वैज्ञानिक आविष्कार के कारण दुनिया से स्थान और समय की दूरी खत्म होती जा रही है, कोई भी भाषा दूसरी भाषा के संपर्क से अपने को अछूता नहीं रख सकती। हिंदी का यह एक विशेष गुण है कि

उसने हिंद की भाषा होते हुए भी अरबी, फारसी, अंग्रेजी इत्यादि के शब्दों से परहेज नहीं किया। बहिष्कार की नीति तो यह कदापि स्वीकार नहीं कर सकती है और न विदेशी शब्दों को ही बाहर रखकर वह अपनी उन्नति कर सकती है। हिन्दुस्तान में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई इत्यादि सभी बसते हैं, तो भी यह हिन्दुस्तान है। इसी प्रकार यदि हम सभी भाषाओं से उत्तम और आवश्यक शब्द लेंगे तो भी हिंदी ही रहेगी।

(*i*) राष्ट्रभाषा से क्या अभिप्राय है ?

(*ii*) हिंदी का विशेष गुण क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) हिंदी बहिष्कार की नीति को क्यों नहीं स्वीकार कर सकती ?

अथवा

हिंदी में अनुवाद कीजिए :

We belong to a great country, a country that is not only physically but in other things also far more important. If we are to be worthy of our country, we must have big minds and big hearts. For small men can not face big issues or accomplish big tasks. Let each one of us do one's duty to one's country and one's people and dwell too much on the duty of others. Some people get into the habit of criticising others without doing any thing themselves. Nothing good can come of that kind of criticism. Remember men of character make a nation great and strong. 6

(ग) 'दिल्ली पुस्तक मेला : एक अनुभव' विषय पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

अथवा

अपने मोहल्ले में आवारा पशुओं के कारण उत्पन्न हुई समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 6